भाषा कौशल

कक्षा - 6

भाषा कौशल–6

1. भाषा, लिपि और व्याकरण

I. 1. (क), 2. (घ), 3. (क), 4. (ख), 5. (ख)

II. 1. (*iv*), 2. (*iii*), 3. (*v*), 4. (*vi*), 5. (*i*), 6. (*ii*)

III. 1. (ख), 2. (ख), 3. (क), 4. (ख)

IV. **देशी भाषा–** अवधी, भोजपुरी, हिंदी, तमिल, मराठी, संभाली।
विदेशी भाषा– जापानी, चीनी, अंग्रेज़ी, फ्रेंच, रूसी, जर्मन।

2. वर्ण-विचार

I. 1. र् + अ + घ् + उ + न् + आ + थ् + अ
2. द् + ई + प + आ + व् + अ + ल् + ई
3. व् + आ + त् + आ + व् + अ + र् + अ + ण् + अ
4. आ + ध् + अ + उ + न् + इ + क् + अ
5. इ + त् + इ + ह् + आ + स् + अ
6. प् + औ + र् + आ + ण् + इ + क् + अ

II. 1. रामनाथ, 2. कंकर, 3. सूर्य, 4. महीपाल, 5. चतुर्भुज

III. 1. काँप, 2. मीलों, 3. बेल, 4. बैर, 5. सूना, 6. भुजे, 7. ओर, 8. हंसों, 9. दिनों, 10. गणित।

IV. 1. पंख, 2. रंग, 3. संग, 4. तंग, 5. अंगूर, 6. शंख।

V. 1. आँख, 2. दाँत, 3. साँस, 4. चाँद, 5. मुँह, 6. कुआँ।

VI. 1. अतः, 2. प्रातः, 3. प्रायः, 4. स्वतः, 5. छिः छिः, 6. भवः।

VII. 1. पत्ता, छत्ता — 2. बच्चा, सच्चा
3. बग्गी, घिग्गी — 4. लट्टू, बिट्टू
5. छल्ला, लल्ला — 6. डिब्बा, गब्बर

VIII. 1. ऋषि, ऋतुएँ — 2. सूर्य, क्रूर
3. ओखली, कोयल — 4. एड़ी, एतराज़
5. औरत, शौहरत — 6. रोगी, कली
7. आम, आवाज़ — 8. ऐनक, ऐश्वर्य
9. शक्ति, नियुक्ति — 10. बिलकुल, सकुशल

IX. 1. सुंदर, 2. हँसिया, 3. कुआँ, 4. गाँव, 5. अंगूर, 6. आनंद।

X. 1. त्रिशूल, पत्र — 2. श्रमिक, परिश्रम
3. कक्षा, क्षत्रिय — 4. ड्रम, ड्रेस
5. क्रम, भ्रम — 6. भ्रष्ट, अपभ्रंश
7. अक्ल, शक्ल — 8. ज्ञानी, ज्ञात

XI. 1. (घ), 2. (ग), 3. (क), 4. (ख), 5. (क)

3. संधि

I. 1. (क), 2. (क), 3. (क), 4. (ख), 5. (क)

II. 1. गुरूपदेश, 2. महेंद्र, 3. रामावतार, 4. दुर्लभ, 5. निश्चय, 6. संसार, 7. देव्यार्पण, 8. पीतांबर, 9. वनौषध, 10. महोत्सव।

III. 1. स्व + इच्छा, 2. सदा + एव, 3. मनः + बल, 4. सत्य + आग्रह, 5. पितृ + आज्ञा।

IV. 1. सूर्योदय, 2. भजनामृत, 3. भानूदय, 4. चरणामृत, 5. देवालय, 6. वागीश, 7. भावुक, 8. निष्फल, 9. मातृण, 10. लघूत्तर।

4. शब्द-विचार

I. 1. सार्थक, 2. चार, 3. तद्भव, 4. तीन, रूढ़, यौगिक, योगरूढ़, 5. विकारी, अविकारी, 6. चार, 7. सार्थक, 8. यौगिक, 9. अंग्रेज़ी।

II. **अंग्रेज़ी–** स्टेशन, ऑलपिन, चॉकलेट, बल्ब, बिस्कुट, बस।
अरबी– किला, मुसाफ़िर, तूफ़ान, तारीख, इम्तहान, कुरसी, सौदागर।
फ़ारसी– ज़िंदगी, मुफ़्त, किताब, आलू, लिफ़ाफ़ा, ज़मीन।
पुर्तगाली– तंबाकू, अलमारी, गोदाम, कनस्तर।

III. 1. कमल, 2. किताब, 3. खरबूज़ा, 4. हिरण, 5. मकान, 6. ज़मीन, 7. कमरा, 8. दशानन, 9. बहादुर, 10. डरपोक, 11. रसोईघर, 12. दवात।

IV. 1. पार, 2. अन्न, 3. ओर, 4. दिन, 5. उपकार।

V. 1. चाय, 2. खाना, 3. कागज़, 4. कपड़ा, 5. चूल्हा, 6. खाई, 7. थोड़ा, 8. पक्षी, 9. कटोरी।

VI. 1. (ग), 2. (क), 3. (ख), 4. (क), 5. (क), 6. (ग)।

VII.1. दशानन–रावण दशानन के नाम से भी जाना जाता है।

2. हिमालय–हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है।
3. पाठशाला–सभी बच्चों को पाठशाला जाना चाहिए।
4. कनस्तर–मेरे भाई की शादी में देसी घी के कनस्तर आए थे।

5. शब्द-निर्माण : उपसर्ग

I. अन-पढ़→ अनपढ़, स्व-रूप→ स्वरूप, अन-अधिक→ अनाधिक, अलु-करण→ अनुकरण, अन-मोल→ अनमोल, अनु-क्रम→ अनुक्रम, स्व-देश→ स्वदेश, निर-गुण→ निरगुण, परा-जय→ पराजय, निर्-दोष→ निर्दोष, स्व-राज→ स्वराज, अन-अंत→ अनंत

II. 1. अधपका, 2. सुकर्म, 3. अपयश, 4. कुसमय, 5. बेखटके, 6. निर्दोष।

III. 1. बदल, 2. नहीं, 3. चार, 4. संस्कृत, 5. उर्दू-फ़ारसी

IV. 1. निर, 2. अनु, 3. सन्, 4. सन्, 5. अव, 6. प्र।

6. शब्द-निर्माण : प्रत्यय

I. 1. अंत, 2. कृत प्रत्यय, 3. तद्धित प्रत्यय

II. 1. चौड़ाई, 2. बचपन, 3. चिकनाहट, 4. घबराहट, 5. पढ़ाई, 6. बनावट, 7. प्रभुता, 8. लालाइन, 9. परिवारजन, 10. गुणी, 11. क्रोधित, 12. महिलाएँ।

III. 1. सतीत्व, नारीत्व, 2. गोलाई, मिठाई, 3. बालपन, परायापन, 4. मिलन, जलन, 5. दैनिक, मासिक, 6. सब्ज़ीवाला, फलवाला, 7. चिकनाहट, घबराहट, 8. झुकाव, पड़ाव, 9. दिखना, छुपना, 10. यूरोपीय, राष्ट्रीय, 11. क्रोधित, शोभित, 12. मूल्यवान, धनवान।

IV. 1. इक, 2. इत, 3. ईला, 4. त्व, 5. इक, 6. इत, 7. ईला, 8. त्व, 9. इक, 10. ईला, 11. इत, 12. त्व।

V. 1. बचपन, बच्चादार, 2. कड़वाहट, कड़वाहटपन, 3. चौकीदार, चौकीदारपन, 4. रसीला, रसिक, 5. भुलक्कड़, भुलक्कड़पन, 6. भूगोलीय, भूगोलदार, 7. यूरोपीय, यूरोपीयन, 8. बनावट, बनावटीपन

7. शब्द-निर्माण : समास

I. 1. समास, 2. द्विगु, 3. कर्मधारय, 4. तत्पुरुष, 5. बहुव्रीहि

II. 1. शक्ति के अनुसार, 2. हाथ से लिखा हुआ, 3. जीवन-भर, 4. घोड़े पर सवार, 5. नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव।

III. 1. राजपुत्र– तत्पुरुष 2. नीलकमल– कर्मधारय
3. तिपहिया– द्विगु 4. राधा-कृष्ण– द्वंद्व
5. सत्याग्रह– तत्पुरुष

IV. 1. राष्ट्रपति– तत्पुरुष, 2. चौराहे– द्विगु, 3. महाराज– कर्मधारय, 4. भरपेट– अव्ययीभाव, 5. गुरुशिष्य– द्वंद्व, 6. पवनपुत्र– कर्मधारय, 7. अकाल-पीड़ित– द्वंद्व, 8. भयभीत– अव्ययीभाव, 9. दोपहर– द्विगु, 10. यथाशक्ति– अव्ययीभाव

8. शब्द-भेदी : अर्थ के आधार पर

I. 2. सूत – धागा, सारथी; 3. नाग – सर्प, हाथी; 4. बाल – केश, बालक; 5. हार – पराजय, माला; 6. कर – हाथ, सूँड़; 7. सुमन – फूल, पुष्प; 8. वर – दूल्हा, श्रेष्ठ; 9. हरि – विष्णु, देवता; 10. अक्षर – वर्ण, रंग; 11. मुद्रा – सिक्का, भाव; 12. फल – परिणाम, धार।

II. 1. पत्र, 2. पत्र, 3. सोना, 4. सोना, 5. जड़, 6. जड़, 7. हार, 8. हार, 9. लाल, 10. लाल, 11. फल, 12. फल, 13. अर्थ, 14. अर्थ, 15. तीर, 16. तीर।

III. 1. शिक्षक, बड़ा, श्रेष्ठ, भारी
2. प्रहार, दिन, आक्रमण, हमला
3. वरदान, दूल्हा, श्रेष्ठ
4. समय, अवधि, मृत्यु, अंत
5. दिशा, जवाब, बाद का।

पर्यायवाची शब्द

I. 1. भूपति, महीप; 2. अमिय, पीयूष, सोम; 3. भानु, दिनेश; 4. प्रवीण, कुशल; 5. कमल, जलज; 6. उपवन, जलधर; 7. कंचन, कनक; 8. शैल, अचल।

II. 1. अग्नि–ज्वाला, 2. पृथ्वी–धरा, 3. भानु–सूर्य, 4. निशा–रजनी, 5. पर्वत–भूधर, 6. राजा–भूप, 7. वृक्ष–तरु, 8. नदी–सरिता, 9. असुर–दैत्य।

1. रात्रि–विभावरी, 2. रवि–दिवाकर, 3. भूमि–वसुधा, 4. राक्षस–दानव, 5. अनल–पावक, 6. तटिनी–तरंगिणी, 7. नृप–भूपति, 8. द्रुम–विटिप, 9. पहाड़–गिरि।

III. 1. (ग), 2. (ख), 3. (क), 4. (घ), 5. (घ), 6. (क), 7. (ग), 8. (ख), 9. (ग), 10. (ख)।

विलोम शब्द

I. 1. अनर्थ, 2. रंक, 3. दुख, 4. मृत्यु, 5. दिन, 6. दुश्मन, 7. आदि, 8. नरक, 9. लाभ, 10. एकता।

II. 1. अहित, 2. शत्रुता, 3. कायर, 4. नाश, 5. प्रशंसा, 6. सदाचार, 7. परतंत्र, 8. निर्बल, 9. अपयश, 10. पतन

III. 1. लोक–परलोक, 2. नीच–ऊँच, 3. बुरा–अच्छा,

4. अँधेरा–उजाला, 5. खोया–पाया, 6. गरीब–अमीर, 7. लाभ–हानि, 8. रोना–हँसना, 9. आशा–निराशा, 10. देव–दानव

1. जीवित–मृत, 2. वीर–कायर, 3. हर्ष–विषाद, 4. स्वामी–सेवक, 5. सुडौल–बेडौल, 6. गुण–अवगुण, 7. जीत–हार, 8. चल–अचल, 9. शांति–अशांति, 10. मूर्ख–चतुर।

एकार्थक शब्द

I. 1. का, वध, दिया, 2. प्रार्थना, 3. की, भीड़, रही है, 4. अमूल्य, 5. प्रणाम, 6. दुर्बल, 7. ईर्ष्या, 8. के, आदेश, 9. न्याय, 10. घमंड।

II. 1. घना, 2. न्याय, 3. मदद, 4. शस्त्रों, 5. दुख, 6. खेद, 7. दया, 8. अमूल्य, 9. अवस्था, 10. अहंकारी।

III. 1. किराया, 2. आम, 3. सोने का हार, 4. महाभारत, 5. तीर / भाला, 6. गायों का, 7. वृक्ष, 8. पाप, 9. सम्राट, 10. भीड़।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

I. 1. अल्पाहारी, 2. अनमोल, 3. अभयारण्य, 4. अवर्णनीय, 5. अमानवीय।

II. 1. वाचाल, 2. दूरदर्शी, 3. साप्ताहिक, 4. सुलभ, 5. निष्पक्ष, 6. जलचर, 7. आस्तिक, 8. निर्जन, 9. घुमंतू, 10. निराकार।

III. 1. दुष्कर, 2. नभचर, 3. अलौकिक, 4. साप्ताहिक, 5. कृतज्ञ, 6. निर्यात, 7. श्रोता, 8. निराकार, 9. दूरदर्शी, 10. स्वयंसेवक।

IV. 1. (क), 2. (ग), 3. (घ), 4. (ख), 5. (ख)।

समरूपी भिन्नार्थक शब्द

I. 1. परिणाम, 2. श्याम, 3. जलज, 4. कपाट, 5. योग्य, 6. क्रम, 7. अवधि, 8. अपेक्षा, 9. गृह, 10. अन्न।

II. 1. नीड़ नहीं नीर, 2. चिर नहीं चीर, 3. अपकार नहीं उपकार, 4. चालक नहीं चालाक, 5. कृपाणता नहीं कृपणता, 6. शोक नहीं शौक, 7. हँस नहीं हंस, 8. बहु नहीं बहू, 9. परिमाण नहीं परिणाम, 10. सज़ा नहीं सजा।

III. 1. अचल–जो चले नहीं, स्थायी; अंचल–क्षेत्र, स्थान।
2. आदि–शुरुआत, आरंभ; आदी–आदत, अभ्यस्त।
3. अचार–आम, नींबू आदि का अचार; आचार–व्यवहार, आचरण।
4. अनल–आग, अग्नि; अनिल–वायु, हवा।
5. प्रणय–प्रेम; परिणय–विवाह।
6. परिणाम–फल, नतीजा; परिमाण–मात्रा।
7. जलज–कमल; जलद–बादल।
8. सूर–अंधा; शूर–वीर।
9. रक्त–खून; रिक्त–खाली।
10. समान–एक जैसा, बराबर; सम्मान–इज़्ज़त, आदर।

पुनरुक्त शब्द और शब्द-युग्म

I. 1. दुबला-पतला, 2. चेहरा-मोहरा, 3. छोटे-बड़े, 4. चहल-पहल, 5. खोज-बीन।

II. 1. (ख), 2. (ख), 3. (ग), 4. (ख), 5. (ख)।

III. 1. काला-कलूटा, 2. आर-पार, 3. गोल-मटोल, 4. हक्का-बक्का, 5. दाना-पानी।

अन्य शब्द

I. 1. सरसराती, 2. रिमझिम, 3. चहचहा, 4. गुंजार, 5. कूकने।

II. 1. गट्ठर, 2. गुच्छे, 3. टुकड़ी, 4. गुलदस्ते, 5. रेवड़।

III. 1. (क), 2. (ग), 3. (क), 4. (क), 5. (ग)।

9. संज्ञा और उसके भेद

I. 1. संज्ञा, 2. तीन, 3. जातिवाचक, 4. भाववाचक, 5. व्यक्ति वाचक।

II. 1. भलाई, 2. गंभीरता, 3. मित्रता, 4. शैशव, 5. देवता, 6. चमक, 7. रोग, 8. लालिमा, 9. मिठास, 10. स्त्रीत्व

III.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा
1. लड़का, पुस्तक	कावेरी
2. गांधी जी	गाँव, पशु
3. दिल्ली, इंडिया गेट	कस्बा
4. अर्जुन, हिमालय	पर्वत
5. केरल	भेड़िया, समुद्र
6. रामायण	नदी, सरला

IV. 1. (क), 2. (घ), 3. (क), 4. (ख)।

10. संज्ञा-विकार : लिंग

I.

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
2. गहना	चाँदी
3. गेहूँ	रोटी
4. नींबू	शरबत
5. दूध	चाय
6. घोड़े	लगाम

7. सींग — गाय
8. सोने — हार
9. घी — मिठाई
10. मटका — मिट्टी

II. 2. गीता के पिताजी पुस्तकें खरीदकर लाए हैं।
3. तालाब बनवाने के लिए सेठानी ने दान दिया है।
4. मंदिर के पुजारी अपने गाँव गए हुए हैं।
5. अध्यापिका जी छात्रों को सौरमंडल के बारे में बता रही हैं।
6. लड़कियाँ तालाब में तैर रही हैं।
7. गायक मीठे स्वर में गीत गा रहा है।
8. जंगल में शेरनी दहाड़ रही है।
9. घाट पर धोबिन कपड़े धोती है।
10. लंबी तपस्या के बाद देवता प्रकट हुए।

III. पुस्तक–स्त्रीलिंग, आम–पुल्लिंग, चारपाई–स्त्रीलिंग, नदी–स्त्रीलिंग, घीया–पुल्लिंग, मोर–पुल्लिंग, मुर्गी–स्त्रीलिंग, शेर–पुल्लिंग।

IV. 1. ✓, 2. ×, 3. ×, 4. ✓, 5. ✓, 6. ×, 7. ✓, 8. ✓

V. 1. (क), 2. (ग), 3. (क), 4. (क)

11. संज्ञा-विकार : वचन

I. 1. खिलौने, 2. पक्षी, 3. जवान, 4. उपकरणों।

II. 1. एकवचन, 2. बहुवचन, 3. बहुवचन, 4. बहुवचन, 5. बहुवचन, 6. बहुवचन, 7. बहुवचन।

III. 1. प्रसाद जी ने अनेक ग्रंथ लिखे।
2. इस पौधे में पानी दे दो।
3. आनंद के आँसू निकल गए।
4. पिता जी आज वापिस आ रहे हैं।
5. बच्चा रोता-रोता भूखा ही सो गया।

IV. 1. (क), 2. (ख), 3. (क), 4. (क), 5. (ख), 6. (क), 7. (क), 8. (ख), 9. (क), 10. (घ)

12. संज्ञा-विकार : कारक

I. 1. कर्म, 2. करण, 3. संबोधन, 4. अपादान।

II. 1. कर्ता, 2. करण, 3. संबोधन, 4. अपादान, 5. करण, 6. संबंध, 7. अधिकरण, 8. संबंध।

III. 1. कर्म कारक, 2. करण कारक, 3. संबोधन कारक, 4. अधिकरण कारक, 5. संप्रदान कारक।

IV. 1. (घ), 2. (क), 3. (ख), 4. (घ), 5. (क)।

13. सर्वनाम

I. 1. सर्वनाम, 2. छह, 3. पुरुषवाचक, 4. संबंधवाचक, 5. प्रश्नवाचक, 6. निजवाचक।

II. 1. मैं–शेर, तू–खरगोश, मुझे–खरगोश, वह–दूसरा शेर, मैं–दूसरा शेर, वह–शेर, वह–दूसरा शेर, तू–खरगोश, मुझे–शेर, मैं–शेर, उसे–शेर, उसे–शेर, वह–शेर, उसकी–शेर, उसे–शेर, तुझे–दूसरा शेर, वह–शेर।

III. 2. जिन्हें, वे–संबंधवाचक; 3. उसकी–अन्य पुरुषवाचक; 4. उन्हें–अन्य पुरुषवाचक; 5. कुछ–अनिश्चयवाचक।

IV. 1. स्वयं–निजवाचक; 2. मैं–उत्तम पुरुषवाचक; 3. जैसा, वैसा–संबंधवाचक; 4. वह–निश्चयवाचक; 5. तुम–पुरुषवाचक; 6. उसने–प्रश्नवाचक; 7. मैं–उत्तम पुरुषवाचक; 8. अपने-आप–निजवाचक।

V. 1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम, 3. निजवाचक सर्वनाम, 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम, 5. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 6. संबंधवाचक सर्वनाम।

14. विशेषण

I. 1. विशेषण, 2. गुणवाचक, 3. परिमाणवाचक, 4. संख्यावाचक, 5. संकेतवाचक।

II. 1. गरीब–लकड़हारा, 2. लाल–फूल, 3. कठोर–दीवार, 4. ऊँची–दीवार, 5. लंबा–रास्ता, 6. पाँच–पांडव, 7. घना–जंगल, 8. सूखा–पेड़।

III. 1. घने, सँकरा, 2. ऊँचे, 3. उच्च, 4. मोटी, मामूली, 5. काले, सुंदर, 6. खाली, सूनी, निर्धन।

IV. 1. प्राकृतिक, 2. शक्तिशाली, 3. गहरे, 4. अनुभवी, 5. चमकीला, 6. ग्रामीण।

V. 2. विशाल बैल, चार बैल, 3. शरारती लड़का, एक लड़का, 4. मीठा आम, पाँच आम, 5. राष्ट्रीय पर्व, तीन पर्व, 6. सफ़ेद कमीज़, तीन कमीज़।

VI. 1. (क), 2. (क), 3. (घ), 4. (घ), 5. (क)।

15. क्रिया

I. 1. क्रिया, 2. सकर्मक, 3. अकर्मक, 4. द्विकर्मक।

II. 1. सकर्मक, 2. अकर्मक, 3. अकर्मक, 4. द्विकर्मक, 5. एककर्मक, 6. अकर्मक।

III. 1. उड़ा रहा है, 2. खा रहा है, 3. बैठा है, 4. याद कर रहा है, 5. टहल रहे हैं, 6. भाग रहा है।

IV. 1. चुग, 2. दी, 3. काटा, 4. पकाया, 5. चला, 6. पिलाया।

V. 1. (क), 2. (ग), 3. (ख), 4. (घ)।

VI. 1. (क), 2. (क), 3. (ग)।

16. काल

I. 1. जाएँगे, 2. पकाया, 3. सुनते, 4. लदे, 5. पढ़ना, 6. लिखा।

II. 1. सामान्य वर्तमान काल, 2. अपूर्ण वर्तमान काल, 3. संदिग्ध वर्तमान काल, 4. वर्तमान काल, 5. सामान्य भूतकाल, 6. पूर्ण भूतकाल, 7. संदिग्ध वर्तमान काल, 8. अपूर्ण भूतकाल, 9. हेतु-हेतुमद भूतकाल, 10. सामान्य भविष्यत काल, 11. संभाव्य भविष्यत काल, 12. सामान्य भविष्यत काल।

III. 1. (क), 2. (क), 3. (क), 4. (ग), 5. (क)।

17. वाच्य

I. 1. कर्तृवाच्य, 2. कर्तृवाच्य, 3. कर्तृवाच्य, 4. कर्तृवाच्य, 5. कर्तृवाच्य, 6. कर्मवाच्य, 7. भाववाच्य, 8. कर्मवाच्य, 9. भाववाच्य, 10. भाववाच्य।

II. 1. (ख), 2. (क), 3. (क), 4. (ख), 5. (ख), 6. (घ)।

18. क्रिया-विशेषण

I. 1. ढेर सारे, 2. धीरे-धीरे, 3. लगातार, 4. घने, 5. अचानक, 6. आजकल पंख, 7. आसपास, 8. बहुत थोड़ा।

II. 1. धीरे-धीरे, 2. तेज़, 3. बहुत, 4. खूब।

III. 1. वह चुपचाप जा रहा है।
2. बच्चे अभी खेल रहे हैं।
3. चीता तेज़ भागता है।
4. मोहन परसों आने वाला है।
5. कछुआ धीरे-धीरे चलता रहा।
6. उसे अच्छी तरह खाना चाहिए।
7. राम खूब पढ़ता है।
8. हाथी ज़ोर से चिंघाड़ता है।

IV. 1. ज़ोर, 2. अंदर, 3. अंदर, 4. शीघ्र, 5. प्यासी।

V. 1. (ख), 2. (ख), 3. (क), 4. (क), 5. (घ), 6. (क), 7. (क)।

19. अव्यय : संबंधबोधक

अभ्यास

I. 1. संज्ञा या सर्वनाम के साथ आने वाले ऐसे शब्द जो उनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ बताते हैं, वे संबंधबोधक कहलाते हैं। जैसे–
1. मंदिर के आस-पास नल है।
संबंधबोधक (के आस-पास)
2. (1) मोहन यहाँ आया था। (क्रिया-विशेषण)
(2) मोहन अपनी नानी के यहाँ आया था। (संबंध बोधक)

II. 1. पर, 2. पर, 3. में, 4. से, 5. पर, 6. पर।

III. 1. घर के पीछे मंदिर है।
2. पुस्तक पलंग के नीचे पड़ी है।
3. अलमारी के ऊपर अटैची रखी है।
4. तुम्हें अपनी चीज़ों के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता।
5. माँ सुबह से लेकर शाम तक काम करती है।
6. फैक्टरियाँ, घरों से दूर होनी चाहिए।
7. सूर्योदय से पहले हमें उठ जाना चाहिए।
8. बच्चे के हाथ से बॉल गिर गई।

20. अव्यय : समुच्चयबोधक

I.

	शब्द	भेद
1.	लेकिन	विभाजक
2.	किंतु	विभाजक
3.	अन्यथा	विकल्पसूचक
4.	इसलिए	विभाजक
5.	लेकिन	विभाजक
6.	तो	विभाजक
7.	ताकि	विभाजक

II. 1. फिर भी, 2. और, 3. इसलिए, 4. ताकि, 5. कि, 6. अन्यथा।

21. अव्यय : विस्मयादिबोधक

I. 1. अरे!, 2. अरे बाप-रे!, 3. हे राम!, 4. धन्य-धन्य!, 5. बहुत बढ़िया!, 6. शाबाश!, 7. छी-छी!, 8. क्या!

II. 1. हर्ष, 2. शोक, 3. आश्चर्य, 4. घृणा, 5. स्वीकृति, 6. संबोधन।

III. 1. (घ), 2. (क), 3. (क), 4. (क), 5. (ग)।

22. वाक्य

I. 2. साधारण वाक्य, 3. विस्मयवाचक वाक्य, 4. प्रश्नवाचक वाक्य, 5. इच्छावाचक वाक्य, 6. संयुक्त वाक्य, 7. साधारण वाक्य, 8. संदेहवाचक वाक्य।

II. 1. रात बीतेगी तो हम पेड़ से उतरेंगे।

2. मन लगाकर पढ़ो ताकि अच्छे नंबरों से पास हो जाओ।
3. उन्होंने हमें बताया कि वे कल यहाँ आएँगे।
4. दिन बीत गया और पक्षी घोंसलों में लौट आए।
5. आज बहुत तेज़ धूप है इसलिए छाता साथ रख लो।

III. 1. (क), 2. (घ), 3. (क), 4. (ख), 5. (क)।

23. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करना

I. 1. (ग), 2. (ग), 3. (ग), 4. (ग)।

II. 1. तुम्हारे दर्शन दुर्लभ हैं।
2. पार्क में एक बच्चा खेल रहा है।
3. मैंने आपकी पुस्तक नहीं ली।
4. हमें गरीबों की मदद करनी चाहिए।
5. बच्चा बहुत देर से रो रहा है।
6. मैंने खाना खा लिया है।
7. रोहन स्नान कर रहा है।
8. मुझे आज गृहकार्य करना था।

24. विराम-चिह्न

I. 1. शिक्षक ने पूछा, 'तुमने किताब क्यों नहीं खरीदी'?
2. राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न दशरथ के पुत्र थे।
3. दरभंगा प्रमंडल के ज़िले हैं–
दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी।
4. बुद्ध ने कहा, 'अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है'।
5. ताजमहल में सफ़ेद-संगमरमर लगा है।
6. अरे! अनर्थ हो गया।
7. हाय! मैं तो मारा गया।
8. ज़रा उस बच्चे से पूछो, 'वह क्यों रो रहा है?'
9. उस दुकान में बहुत तरह के फल सजे हैं, नारंगी, केले, आम, सेब, अंगूर आदि।
10. उन लड़कों के नाम हैं–
(क) राम, (ख) मोहन, (ग) रमण श्याम।
11. जाते-जाते वह लंबी-लंबी बातें करता गया।
12. 'अब मैं क्या करूँ'? मोहन ने पूछा।
13. शिक्षक ने कहा, 'जो फ़ीस लाए हैं वे कार्यालय में जाकर जमा करा दें।'
14. मोहित ने कहा, 'खाना मत खाओ। देखो, तुम्हारे चारों तरफ़ कितनी गंदगी है।'
15. राजन, गोपाल को बुखार है, चिंता की बात नहीं है, दवा लेने से अच्छा हो जाएगा।
16. नेता जी ने कहा था, ''तुम मुझे खून दो, हम तुम्हें आज़ादी देंगे।''
17. यार, आज मैं बहुत थक गया हूँ।
18. शिक्षक ने कहा, ''मैं कल पाठ अवश्य सुनूँगा।''
19. हाँ! मैं सब समझ रहा हूँ।
20. तुम सो रहे हो– अच्छा, सोओ।

II. 1. (क), 2. (ख), 3. (घ), 4. (ख), 5. (ग), 6. (क)।

25. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

I. 1. आस्तीन का साँप।
2. कानों-कान खबर न होना।
3. कान पर जूँ तक न रेंगना।
4. ऊँट के मुँह में जीरा।
5. खून-पसीना एक करना।
6. गागर में सागर भरना।
7. अपना उल्लू सीधा करना।
8. गुड़-गोबर करना।
9. चार चाँद लगना।
10. छठी का दूध याद आना।

II. 1. खट्टे कर, 2. टका, 3. पीठ, 4. नाकों, 5. जूँ, 6. दिल, 7. सिंदूर, 8. कालिख, 9. बिल्ली, 10. हाथ-पाँव।

III. 1. (क), 2. (ख), 3. (क), 4. (क), 5. (क)।

26. अपठित गद्यांश

1. (*i*) (ख), (*ii*) (क), (*iii*) (ग), (*iv*) (ख)
(*v*) आकाश में उड़ने लगे।
(*vi*) वे पर्वत पर झुके और हाथ-पैर कसकर छलाँग लगाई।
(*vii*) उनके छलाँग लगाने से महेंद्र पर्वत दरक गया, वृक्ष काँप उठे, चट्टाने नीचे लुढ़ने लगीं, पशु-पक्षी चिल्लाकर भागने लगे और धुआँ उठने लगा।
(*viii*) वीर हनुमान।

2. (*i*) (ख), (*ii*) (ग), (*iii*) (ग), (*iv*) (ख)।
(*v*) लोकगीतों की रचना अधिकतर गाँवों में विभिन्न अवसरों पर गाने के लिए स्त्रियों द्वारा की जाती है।
(*vi*) ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि।
(*vii*) देहात में कहरवा, बिरहा, धोबिया, बनारस, उत्तर प्रदेश और बिहार में चैता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि।

बंगाल में बाऊल और भतियाली, पंजाब में माहिया, हीर-राँझा, सोहनी-महिवाल तथा राजस्थान में ढोला-मारू आदि।

(*viii*) लोकगीत।

3. (*i*) (ख), (*ii*) (ख), (*iii*) (ख), (*iv*) (क)।

(*v*) बास से टोकरियाँ, तरह-तरह की चटाइयाँ, टोपियाँ, बरतन, फ़र्नीचर, सजावटी सामान, जाल, मकान आदि बनाए जाते हैं।

(*vi*) इन्हें चौड़े फाल वाले चाकू और कत्ता से छीलकर इनकी खपच्चियाँ तैयार की जाती हैं।

(*vii*) चिकना बनाने के बाद खपच्चियों को रँगने के लिए गुडहल और इमली की पत्तियों तथा आम की छाल का प्रयोग किया जाता है।

(*viii*) बाँस का उपयोग

4. (*i*) (क), (*ii*) (ख), (*iii*) (क), (*iv*) (क)

(*v*) मुखौटे, गुड़ियों के चेहरे, चित्र के चारों ओर लगने वाले नक्काशीदार फ्रेम, ब्लॉक, दरवाज़ों और चौखटों पर सुंदर बेलबूटे आदि बनाने में पेपरमेशी का प्रयोग किया जाता है।

(*vi*) बिहार और कश्मीर में।

(*vii*) इनमें कागज़ को भिगोकर, कागज़ की लुगदी बनाकर लुगदी में खड़िया मिलाकर और लुगदी में मिट्टी मिलाकर मूर्ति बनाने की विधियाँ अपनाई जाती हैं।

(*viii*) पेपरमेशी : एक कला।